खास-खबरें

गायत्री परिवार द्वारा शैक्षणिक संस्थानों में किया जा रहा गहन सम्पर्क

गंजबासौदा। अखिल विश्व गायत्री परिवार पिछले चालीस वर्षों से भरतीय संस्कृति ज्ञान परीक्षा अभियान चला रहा है। कार्यकर्ता गण शिक्षण संस्थाओं में जाकर इस परीक्षा में बैठने बाले छात्रों की सूची ले रहे हैं, और अन्य स्कूल कॉलेजों में सम्पर्क कर रहे हैं। आज पी.एम. श्री केंद्रीय विद्यालय और शासकीय उच्तर माध्यमिक विद्यालय फरीदपुर और शा .उ.माध्यमिक विद्यालय पवई में प्रभारी सुरेश सैनी ,सूरज सिंह परिहार और नारायण सिंह दांगी ने सम्पर्क साधा, और पुस्तकों का वितरण किया। केंद्रीय विद्यालय में केला, नीम, पीपल, मीठी नीम आदि के पौधों का रोपण भी किया गया। इस कार्य में प्राचार्य श्रीमती सुमन सिंह, शिक्षक दिनेश पवार, मनराज मीना द्वारा विषेश सहयोग किया गया। केंद्रीय विद्यालय के स्टाफ एवं अन्य लोगों ने भारतीय संस्कृति ज्ञान परीक्षा एवं वृक्षारोपण में विशेष रुचि दर्शायी।

भूसा से भरे ओवरलोड ट्रक से टकराकर विद्युत पोल टूटकर गिरा

गंजबासौदा। बरेठ रोड पर भूसा से भरा ओवरलोड ट्रक अनियंत्रित होकर बिजली के खंभे से टकरा गया। टक्कर इतनी जोरदार थी कि खंभा टूटकर नीचे गिर गया।हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। गनीमत रही कि इस दौरान वहां से कोई राहगीर नहीं गुजर रहा था, नहीं तो बड़ा हादसा हो सकता था

फर्जीवाड़े से अर्टिगा कार विक्रेता गिरफ्तार

गंजबासौदा। काली पठार से विगत दिनों चोरी गई अर्टिगा कार के फर्जी बाडे में बासोदा निवासी युवक को गिरफ्तार किया है उससे पूछताछ जारी है। इस बारदात को उजागर करने में पुलिस की महत्वपूर्ण भूमिका है।

अभी भी औसत 1100 बारिश में 200 मिलीमीटर बारिश कम

गंजबासौदा। क्षेत्र में मौजूदा स्थिति में 922 मिलीमीटर बारिश हो चुकी है जबकि विगत वर्ष इन दिनों में 949 मिली मीटर पानी गिर चुका था और औसत बारिश 1100 मिमी है अभी औसत बर्षा के आंकड़े को छूने कोई 200 मिलीमीटर पानी की आवश्यकता है अभी पूर्वा नक्षत्र चल रहा है जिसमें पानी की भरपूर संभावना बताई जाती है हम खरीफ की फसल खास तौर पर उड़द और सोयाबीन का जिक्र करें तो इस वर्ष उडद की फसल तकरीबन आ चुकी है लेकिन पानी की निरंतर बौछारों से वह खेत में ही कटा हुआ पड़ा सढ़ने लगा है और जो नहीं कटा है उसकी फली पानी के कारण खराब होने की स्थिति में आ गई है अमूमन देखा जाए तो उड़द की फसल अब पानी गिरने से नुकसान की ओर पहुंच चुकी है सोयाबीन की फसल आने में अभी कम से कम 30 40 दिन बाकी है पौधों में फूलों की कमी देखने को मिली है उसके पीछे बताया जाता है कि सोयाबीन की पौध में ग्रोथ बहुत अच्छी हुई है लेकिन फलियां ,फूल का अभाव देखने को मिल रहा है।

कमलेश्वर पटेल और राजीव गुजराती की मौजूदगी में छात्र संवाद, 19 सितंबर को इंदौर पहुंचने का रोडमैप तैयार

सीहोर। आगामी 19 सितंबर को इंदौर में आयोजित होने वाले 'छात्रों की गूंज कार्यक्रम को लेकर रविवार को ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के तत्वावधान में विशाल बैठक एवं छात्र संवाद कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के सदस्य एवं पूर्व मंत्री कमलेश्वर पटेल मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे, जबकि अध्यक्षता जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष राजीव गुजराती ने की। कार्यक्रम में जिले के विभिन्न महाविद्यालयों से बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं ने भाग लिया। मुख्य अतिथि कमलेश्वर पटेल ने छात्रों को संबोधित करते हुए कहा कि आज देश का युवा और छात्र वर्ग अपने भविष्य को लेकर चिंतित है। उन्होंने कहा कि लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी छात्रों के अधिकार, बेहतर शिक्षा, रोजगार के अवसर, प्रतियोगी परीक्षाओं की शुचिता और युवाओं के सुरक्षित भविष्य से जुड़े मुद्दों को लगातार मजबूती से उठा रहे हैं। उन्होंने कहा कि इंदौर में आयोजित होने वाला 'छात्रों की गूंज कार्यक्रम युवाओं और छात्रों को अपनी समस्याएं एवं आकांक्षाएं मजबूती से रखने का मंच प्रदान करेगा। उन्होंने सीहोर जिले के छात्र-छात्राओं से अधिक से अधिक संख्या में इंदौर पहुंचकर कार्यक्रम को सफल बनाने का आह्वान किया।

10 हजार छात्रों के रजिस्ट्रेशन का लक्ष्य : जिला कांग्रेस अध्यक्ष राजीव गुजराती ने कहा कि सीहोर जिला कांग्रेस द्वारा इंदौर के कार्यक्रम के लिए जिलेभर से करीब 10 हजार छात्रों का रजिस्ट्रेशन कराने का लक्ष्य रखा गया है। उन्होंने कहा कि छात्रों को इंदौर ले जाने और कार्यक्रम के बाद वापस सीहोर लाने के लिए वाहनों सहित भोजन आदि की व्यवस्था की जाएगी, ताकि छात्रों को किसी प्रकार की परेशानी न हो। वरिष्ठ नेताओं ने भी किया छात्रों का उत्साहवर्धन : कार्यक्रम को पूर्व विधायक शैलेंद्र पटेल एवं नगर पालिका नेता प्रतिपक्ष विवेक राठौर ने भी संबोधित किया। उन्होंने बेरोजगारी, पेपर लीक सहित युवाओं से जुड़े विभिन्न मुद्दों को उठाते हुए छात्रों से एकजुट होकर अपनी आवाज बुलंद करने का आह्वान किया।

हरतालिका तीज और गणेश चतुर्थी आज

अखंड सौभाग्य के लिए महिलाएं रखेंगी निर्जला व्रत, शुभ मुहूर्त में होगी गणपति स्थापना बाजार में दिनभर उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़

नईदुनिया प्रतिनिधि, भैरूंदा : नगर में सोमवार को आस्था और उत्सव का दुर्लभ संगम देखने को मिलेगा। हरतालिका तीज और गणेश चतुर्थी एक ही दिन पड़ने से सुबह शिव-पार्वती की आराधना और दोपहर बाद विघ्नहर्ता श्रीगणेश की स्थापना के साथ धार्मिक उल्लास चरम पर रहेगा। सुहागिन महिलाएं अखंड सौभाग्य और पति की दीर्घायु की कामना से निर्जला व्रत रखेंगी, जबकि अविवाहित युवतियां मनचाहे वर की प्राप्ति के लिए भगवान शिव और माता पार्वती का पूजन करेंगी। वहीं घरों और सार्वजनिक पंडालों में शुभ मुहूर्त में गणेश प्रतिमाओं की स्थापना के साथ दस दिवसीय गणेशोत्सव का शुभारंभ होगा।

रविवार को नगर के गणेश प्रतिमा बाजारों में सुबह से देर रात तक श्रद्धालुओं की भीड़ बनी रही। लोगों ने अपनी पसंद की प्रतिमाएं खरीदीं और पूजा सामग्री के साथ घरों व पंडालों की सजावट को अंतिम रूप दिया। सीएम राइज स्कूल के सामने लगाए गए प्रतिमा बाजार में नगर ही नहीं, आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों से भी बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचे।

हरतालिका तीजः तप, आस्था और अखंड सौभाग्य का पर्वः हरतालिका तीज पर महिलाएं भगवान शिव, माता पार्वती और श्रीगणेश का विधि-विधान से पूजन करेंगी। धार्मिक मान्यता है कि माता पार्वती ने भगवान शिव को पति रूप में पाने के लिए कठोर तपस्या की थी। उसी तप की स्मृति में यह व्रत रखा जाता है। सुहागिन महिलाएं पति की लंबी आयु और सुखी दांपत्य जीवन, जबकि अविवाहित कन्याएं योग्य जीवनसाथी की कामना से निर्जला व्रत करती हैं। ज्योतिषाचार्य पंडित संजय शर्मा एवं आयुष्मान तिवारी के अनुसार हरतालिका तीज का व्रत दृढ़ संकल्प, आस्था और आत्मबल का प्रतीक माना जाता है। मान्यता है कि माता पार्वती ने वन में रेत का शिवलिंग बनाकर भगवान शिव की कठोर आराधना की थी, जिससे प्रसन्न होकर भगवान शिव ने उन्हें पत्नी रूप में स्वीकार किया।

रातभर होगी चार प्रहर की पूजाः हरतालिका तीज पर प्रदोष काल में भगवान शिव, माता पार्वती और श्रीगणेश की पूजा-अर्चना की जाएगी। कई स्थानों पर मिट्टी या रेत से शिव-पार्वती और गणेशजी की प्रतिमाएं बनाकर उनका श्रृंगार किया जाएगा। इसके बाद रात्रि में चार प्रहर तक पूजा का क्रम चलेगा। पूजन में बेलपत्र, शमी पत्र, धतूरा, आक के फूल, पंचामृत, फल-फूल तथा सुहाग सामग्री अर्पित की जाएगी। अगले दिन प्रातः पूजन के बाद व्रत का पारण किया जाएगा।

दोपहर बाद शुभ मुहूर्त में होगी गणपति स्थापना : गणेश चतुर्थी पर दोपहर बाद शुभ मुहूर्त में घरों और सार्वजनिक पंडालों में भगवान श्रीगणेश की प्रतिमाओं की स्थापना की जाएगी। इसके साथ ही नगर में दस दिवसीय गणेशोत्सव का शुभारंभ होगा। आगामी दिनों में भजन, आरती, धार्मिक अनुष्ठान, सांस्कृतिक कार्यक्रम और आकर्षक झांकियां श्रद्धालुओं के आकर्षण का केंद्र रहेंगी। विभिन्न गणेश उत्सव समितियां अंतिम तैयारियों में जुटी हैं। प्रतिमा विक्रेता मंगल कुशवाह, सोनू लखेरा, शुभम लोया और शंकर प्रजापति ने बताया कि इस वर्ष पर्यावरण अनुकूल मिट्टी से बनी रंगीन गणेश प्रतिमाओं की मांग अधिक है। कई श्रद्धालुओं ने पहले से ही प्रतिमाएं बुक करा रखी थीं।

300 साल से उत्तरमुखी विराजमान गणपति, पांच पीढ़ियों से जीवंत है आस्था की परंपरा

गांधी चौक के प्राचीन मंदिर में दोपहर 12 बजे होगी विशेष महाआरती

नईदुनिया प्रतिनिधि, भैरूंदा : गणेश चतुर्थी पर सोमवार को भैरूंदा नगर भक्तिभाव से सराबोर रहेगा। घर-घर और सार्वजनिक पंडालों में प्रथम पूज्य भगवान श्रीगणेश की स्थापना के साथ दस दिवसीय गणेशोत्सव का शुभारंभ होगा। नगर में 17 और लाड़कुई में 8 प्रमुख स्थानों पर आकर्षक पंडाल सजकर तैयार हैं। इस बीच गांधी चौक स्थित करीब 300 वर्ष पुराने प्राचीन गणेश मंदिर में विराजमान उत्तरमुखी गणपति श्रद्धालुओं की विशेष आस्था का केंद्र बने हुए हैं, जहां पांच पीढ़ियों से एक ही परिवार पूजा-अर्चना की परंपरा निभा रहा है।

रविवार को गणेश प्रतिमाओं की खरीदारी को लेकर बाजारों में दिनभर उत्साह का माहौल रहा। शाम तक ढोल-नगाड़ों और 'गणपति बप्पा मोरया' के जयघोष के बीच प्रतिमाओं को पंडालों तक ले जाया गया। देर रात तक समितियों के कार्यकर्ता सजावट, रोशनी और अंतिम तैयारियों में जुटे रहे।

तीन शताब्दियों पुरानी आस्था का प्रतीक है प्राचीन मंदिर : गांधी चौक स्थित प्राचीन गणेश मंदिर नगर की धार्मिक विरासत का महत्वपूर्ण केंद्र माना जाता है। स्थानीय मान्यता के अनुसार यहां स्थापित भगवान गणेश की प्रतिमा करीब 300 वर्ष पुरानी है। बताया जाता है कि वर्षों पहले एक अग्रवाल परिवार के मकान की नींव की खुदाई के दौरान यह प्रतिमा भूमि से निकली थी। इसके बाद श्रद्धापूर्वक प्रतिमा की स्थापना कर नियमित पूजा-अर्चना शुरू हुई। यद्यपि प्रतिमा की आयु का कोई प्रमाणित ऐतिहासिक अभिलेख उपलब्ध नहीं है, लेकिन स्थानीय परंपरा और जनश्रुतियों में इसे तीन शताब्दियों से अधिक पुराना माना जाता है।

पांच पीढ़ियों से एक ही परिवार कर रहा सेवा-पूजा : मंदिर की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि यहां पूजा-अर्चना की परंपरा एक ही परिवार की पांच पीढ़ियों से लगातार चली आ रही है। वर्तमान में पुजारी गोपाल जैमिनी भगवान गणेश की नियमित सेवा और पूजा-अर्चना का दायित्व निभा रहे हैं।

नगर के पंडालों में दस दिन तक गूंजेगा भक्तिरस : गणेशोत्सव के दौरान नगर के विभिन्न पंडालों में धार्मिक और सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित होंगे। ब्रह्मनगर चौराहे पर बच्चों की फैशन प्रतियोगिता सहित कई आयोजन होंगे, जबकि शास्त्री कॉलोनी में करीब 15 फीट ऊंची लालबाग के राजा की प्रतिमा श्रद्धालुओं के आकर्षण का केंद्र रहेगी।

सुरक्षा के लिए सीसीटीवी और पुलिस की विशेष निगरानीः थाना प्रभारी घनश्याम दांगी ने बताया कि भैरूंदा के 17 और लाड़कुई के 8 प्रमुख पंडालों में सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए गए हैं। सभी प्रमुख पंडालों में सीसीटीवी कैमरे लगाने के निर्देश दिए गए हैं। आरती और भीड़भाड़ के समय पुलिस की विशेष निगरानी रहेगी तथा आवश्यकता वाले स्थानों पर बैरिकेडिंग की जाएगी।

उत्तरमुखी गणपति के दर्शन का विशेष महत्व

मंदिर में स्थापित भगवान गणेश की प्रतिमा उत्तरमुखी है, जो धार्मिक दृष्टि से विशेष मानी जाती है। काले पत्थर की प्रतिमा पर प्रतिदिन सिंदूर का लेप किया जाता है। गणेश चतुर्थी पर दोपहर 12 बजे विशेष महाआरती होगी, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के शामिल होने की संभावना है। महाआरती के बाद प्रसाद का वितरण किया जाएगा।

बरेली में प्रतिबंध के बावजूद बिक रहीं प्लास्टर ऑफ पेरिस की गणेश प्रतिमाएं

नईदुनिया प्रतिनिधि, बरेली : गणेश उत्सव को लेकर शहर के बाजारों और प्रमुख चौराहों पर प्रतिमाओं की दुकानें सज गई हैं। शासन-प्रशासन द्वारा प्लास्टर ऑफ पेरिस से निर्मित गणेश प्रतिमाओं की बिक्री पर प्रतिबंध के बावजूद कई दुकानों पर ऐसी प्रतिमाएं खुलेआम बिक रही हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि बाजार में बड़ी संख्या में प्लास्टर ऑफ पेरिस से बनी प्रतिमाएं बिक्री के लिए रखी गई हैं। इसके बावजूद जिम्मेदार अधिकारी इस ओर ध्यान नहीं दे रहे हैं।

शहर के मुख्य बाजार से लेकर प्रमुख चौराहों तक अलग-अलग आकार और आकर्षक डिजाइन वाली गणेश प्रतिमाएं दिखाई दे रही हैं। प्रतिबंध के बावजूद इनकी बिक्री होने से प्रशासन की कार्यप्रणाली पर सवाल उठ रहे हैं। प्लास्टर ऑफ पेरिस की प्रतिमाओं पर प्रतिबंध का उद्देश्य विसर्जन के दौरान जलस्त्रोतों और पर्यावरण को होने वाले नुकसान को रोकना है।

स्थानीय मूर्तिकारों पर भी असर

स्थानीय मूर्तिकार मिट्टी से गणेश प्रतिमाएं तैयार कर रहे हैं। उनका कहना है कि मिट्टी की प्रतिमाएं बनाने में समय और लागत अधिक लगती है। दूसरी ओर प्लास्टर ऑफ पेरिस की हल्की और अपेक्षाकृत कम कीमत वाली प्रतिमाएं आसानी से उपलब्ध होने से उनके कारोबार पर असर पड़ रहा है। मूर्तिकारों ने प्रशासन से बाजार में जांच कर प्रतिबंधित प्रतिमाओं की बिक्री रोकने की मांग की है। प्लास्टर ऑफ पेरिस पानी में आसानी से नहीं घुलता। विसर्जन के बाद इसके अवशेष जलस्त्रोतों में बने रह सकते हैं। रासायनिक रंग भी पानी और जलजीवों के लिए नुकसानदायक हो सकते हैं। स्थानीय लोगों ने उत्सव से पहले जांच और नियम तोड़ने वालों पर कार्रवाई की मांग की है।

सेवा संकल्प अभियान के तहत 17 को उज्जैन में होगा भव्य दीपोत्सव

उज्जैन। सेवा संकल्प अभियान के तहत 17 सितंबर को उज्जैन शहर में भव्य दीपोत्सव का आयोजन किया जाएगा। इस दौरान जिले के प्रमुख घाटों एवं महाकाल लोक में लाखों दीप प्रज्वलित किए जाएंगे। दीपोत्सव की तैयारियों के संबंध में कलेक्टर रौशन कुमार सिंह की अध्यक्षता में प्रशासनिक संकुल भवन के सभाकक्ष में बैठक आयोजित हुई। बैठक में स्मार्ट सिटी की मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्रीमती नेहा जैन ने दीपोत्सव कार्यक्रम की रूपरेखा एवं तैयारियों की विस्तृत जानकारी प्रस्तुत की। उन्होंने बताया कि 'आशीर्वाद का दिया' कार्यक्रम के अंतर्गत जिले के प्रमुख घाटों एवं महाकाल लोक में 25 लाख दीप प्रज्वलित किए जाएंगे। दीपोत्सव का आयोजन 17 सितंबर की शाम 7 बजे किया जाएगा। कार्यक्रम के लिए स्थानों को 7 सेक्टर एवं 250 सब-सेक्टर में विभाजित किया जाएगा। सात प्रमुख सेक्टरों में केदारेश्वर घाट, सुनहरी घाट, दत्त अखाड़ा, भूखी माता, महाकाल लोक कॉरिडोर तथा रामघाट के दो सेक्टर शामिल हैं। प्रत्येक सेक्टर में व्यवस्थाओं के लिए बड़ी संख्या में वॉलंटियर्स की तैनाती की जाएगी।

टेट और ई-अटेंडेंस के विरोध में शिक्षकों ने मां शक्तिपीठ में लगाई अर्जी

नईदुनिया प्रतिनिधि, भैरूंदा : प्राथमिक, माध्यमिक एवं उच्च माध्यमिक शिक्षक संघ के बैनर तले रविवार को जिलेभर के शिक्षकों ने टेट, ई-अटेंडेंस व्यवस्था और पुरानी पेंशन बहाली की मांग को लेकर काकड़खेड़ा स्थित माता मंदिर (मां शक्तिपीठ) में सामूहिक अर्जी लगाई। शिक्षकों ने मां शक्तिपीठ में प्रार्थना करते हुए शासन को सद्बुद्धि प्रदान करने तथा उनके अनुसार अन्यायपूर्ण टेट और ई-अटेंडेंस व्यवस्था को स्थायी रूप से समाप्त करने की कामना की।

शिक्षकों का कहना था कि टेट और ई-अटेंडेंस जैसी व्यवस्थाओं से शिक्षकों को अनावश्यक परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। साथ ही उन्होंने पुरानी पेंशन योजना को पुनः लागू करने की मांग भी दोहराई। कार्यक्रम में सीहोर जिले के विभिन्न विकासखंडों से बड़ी संख्या में शिक्षक शामिल हुए। प्रमुख रूप से जिला अध्यक्ष महेश कुमार राठौर (इछावर), मध्य प्रदेश शिक्षक कांग्रेस के जिला अध्यक्ष मोहम्मद सफी खान, अल्ताफ खान, नवल निमोंदा, सतीश सोनविरसे, इंदर सिंह ठाकुर, दिनेश राय, महेश मालवीय, जितेंद्र कुमार सागवालिया, राजेंद्र सिंह ठाकुर (आष्टा), गोपाल सिंह संगवालिया (जिला उपाध्यक्ष), राजेंद्र राठौर, गजेंद्र महेश्वरी, राकेश वर्मा, आशुतोष महेश्वरी, मनोज राठौर, जितेंद्र कुमार राठौर, राहुल राठौर, राजेंद्र वर्मा, सुरेश वर्मा, जितेंद्र मालवीय सैकड़ों शिक्षक उपस्थित रहे।

प्राथमिक उपचार की जानकारी हर व्यक्ति के लिए जरूरी

सीहोर। शहर के सैकड़ाखेड़ी स्थित संकल्प नशा मुक्ति केंद्र में आयोजित दो दिवसीय विश्व प्राथमिक चिकित्सा दिवस कार्यक्रम का रविवार को समापन हुआ। शनिवार को जिला अस्पताल में पदस्थ वरिष्ठ चिकित्सक डॉ. आरके वर्मा ने केंद्र में मौजूद वृद्धजनों एवं हितग्राहियों को प्राथमिक चिकित्सा के महत्व और आपातकालीन परिस्थितियों में बरती जाने वाली सावधानियों के संबंध में विस्तार से जानकारी दी। किसी बीमार अथवा घायल व्यक्ति को चिकित्सकीय सहायता मिलने से पहले दी जाने वाली तत्काल आपातकालीन देखभाल को प्राथमिक चिकित्सा कहा जाता है। कई बार दुर्घटना या अचानक आई स्वास्थ्य संबंधी आपात स्थिति में समय पर प्राथमिक उपचार नहीं मिलने के कारण व्यक्ति की जान तक चली जाती है। ऐसे समय में सही तरीके से दी गई प्राथमिक चिकित्सा व्यक्ति की स्थिति को गंभीर होने से रोकने के साथ ही अस्पताल पहुंचने तक उसके जीवन को बचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है। प्राथमिक चिकित्सा कुछ परिस्थितियों में व्यक्ति के लिए तत्काल आवश्यक देखभाल का सबसे महत्वपूर्ण माध्यम होती है, जबकि गंभीर मामलों में यह मरीज को तब तक सुरक्षित रखने में मदद करती है, जब तक चिकित्सा दल या पैरामेडिक्स मौके पर पहुंचकर उसे अस्पताल नहीं ले जाते।

चिंतामन गणेश मंदिर में आज से 12 दिवसीय जन्म महोत्सव शुरू

गर्भगृह में प्रवेश बंद, सभा मंडप-मूषक हॉल से होंगे दर्शन, दोपहर 12 बजे जन्म आरती के साथ मेले का शुभारंभ, आज 20 हजार श्रद्धालुओं के पहुंचने की उम्मीद

नईदुनिया प्रतिनिधि, सीहोर : ऐतिहासिक श्री चिंतामन सिद्ध गणेश मंदिर में आज सोमवार गणेश चतुर्थी से श्री गणेश जन्म महोत्सव का भव्य शुभारंभ होगा। महोत्सव अनंत चतुर्दशी तक चलेगा और इन 12 दिनों तक मंदिर में प्रतिदिन सामूहिक दर्शन, आकर्षक श्रृंगार और मेले का आयोजन होगा।मंदिर प्रशासन के अनुसार गणेश चतुर्थी पर सुबह 4 बजे से सुबह 6 बजे तक भगवान श्री गणेश जी का महाअभिषेक पूजन चलेगा। इस दौरान दर्शनार्थियों के लिए गर्भगृह में प्रवेश पूर्णतः बंद रहेगा। दर्शन व्यवस्था सभा मंडप मूषक हॉल से प्रारंभ हो जाएगी। दोपहर 12 बजे भगवान की जन्म महाआरती होगी और इसके साथ ही मेले का विधिवत आरंभ हो जाएगा।प्रतिदिन नया श्रृंगार, झूले और दुकानें बढ़ाएंगी मेले की शोभा अनंतचौदस तक लगातार प्रतिदिन सामूहिक दर्शन होंगे। मेले में बड़े-बड़े झूले, दुकानें और मनोरंजक खेल-तमाशे आकर्षक आयटम मेले की शोभा बढ़ाएंगे। भगवान श्री गणेश का प्रतिदिन विशेष और मनमोहक श्रृंगार किया जाएगा। गणेशोत्सव के दौरान भगवान प्रतिदिन नया रूप बदलेंगे। पहले दिन सोमवार को 20 हजार से अधिक श्रद्धालुओं के पहुंचने की उम्मीद जताई जा रही है।

उल्टा स्वास्तिक बनाकर मांगते हैं मन्नत, पूरी होने पर बनाते हैं सीधा : मान्यता के अनुसार श्रद्धालु भगवान गणेश के सामने अपनी मन्नत के लिए मंदिर की दीवार पर उल्टा स्वास्तिक बनाते हैं और मन्नत पूरी होने के बाद सीधा स्वास्तिक बनाते हैं। चिंतामन गणेश मंदिर पर हर साल गणेश चतुर्थी के दौरान दस दिवसीय भव्य मेले का आयोजन किया जाता है, जहां प्रतिदिन हजारों की संख्या में श्रद्धालु दर्शन करते हैं।

दो जगह रहेगी पार्किंग व्यवस्थाः गणेश मंदिर पहुंचने वाले श्रद्धालुओं के वाहनों के लिए दो जगह पार्किंग तय की गई है। पहली पार्किंग गणेश मंदिर के मोड़ पर नाले के पास दो व चार पहिया वाहनों के लिए और दूसरी शुगर फैक्ट्री के पास खाली पड़ी जगह पर रहेगी।

त्योहार का कैलेंडर

गणेश स्थापनाः 14 सितंबर, सोमवार, शुभ मुहूर्त सुबह 11.02 से दोपहर 1.31 बजे तक, अनंत चतुर्दशी (विसर्जन): 25 सितंबर, शुक्रवार घर-घर विराजेंगे गणेश, मिट्टी के गणेश की मांग अधिक आज गणेश चतुर्थी पर शहर में उत्साह के साथ भगवान गणेश की प्रतिमाओं को पंडालों और घर-घर में विराजित कर पूजा-अर्चना की जाएगी। 10 दिनी उत्सव की तैयारियां पूरी कर ली गई हैं, शहर में आकर्षक पंडाल सजाए गए हैं। अधिकतर लोग पर्यावरण को ध्यान में रखकर मिट्टी से बनी गणेश प्रतिमाओं की स्थापना कर रहे हैं, जिसे शास्त्रों में शुभ माना गया है। मंगलवार को बाजार में दिनभर आकर्षक प्रतिमाओं को ले जाने का दौर चला, जो आज देर रात तक जारी रहेगा।

आज कुबेरेश्वरधाम पर विराजेंगे भगवान गणेश 1100 शुद्ध घी के लड्डुओं का लगेगा भोग

नईदुनिया प्रतिनिधि, सीहोर : जिला मुख्यालय के समीपस्थ चितावलिया हेमा स्थित निर्माणाधीन मुरली मनोहर और कुबेरेश्वर महादेव मंदिर में हर साल की तरह इस वर्ष भी गणेशोत्सव और हरतालिका तीज का पर्व आस्था और उत्साह के साथ मनाया जाएगा।

अंतर्राष्ट्रीय कथा वाचक पंडित प्रदीप मिश्रा के मार्गदर्शन में आयोजित होने वाले धार्मिक आयोजनों को लेकर कुबेरेश्वरधाम पर तैयारियां अंतिम चरण में पहुंच गई हैं। सोमवार को भगवान गणेश की विधि-विधान से स्थापना के साथ गणेशोत्सव का शुभारंभ होगा। वहीं हरतालिका तीज के अवसर पर धाम परिसर में विशेष फूलों का फूलेरा सजाया जाएगा। गणेशोत्सव और हरतालिका तीज को लेकर कुबेरेश्वरधाम पर श्रद्धालुओं के बीच उत्साह का माहौल है। आगामी दिनों में भी बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के धाम पहुंचने की संभावना है। गणेशोत्सव को लेकर विठलेश सेवा समिति की ओर से भगवान गणेश को 1100 शुद्ध घी के लड्डुओं का भोग लगाया जाएगा। इसके बाद भोग एवं भोजन प्रसादी का श्रद्धालुओं के बीच वितरण किया जाएगा। भगवान गणेश की स्थापना धाम परिसर में स्थित मुरली मनोहर मंदिर के नीचे व्यासपीठ के समीप बनाए गए विशेष स्थान पर भव्य रूप से की जाएगी। शाम के समय भगवान गणेश एवं बाबा की विशेष आरती का आयोजन होगा, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के शामिल होने की संभावना है। हरतालिका तीज को लेकर भी धाम पर विशेष तैयारियां की जा रही हैं। पर्व के अवसर पर करीब दो क्विंटल फूलों से भव्य फूलेरा सजाया जाएगा। फूलेरा को आकर्षक रूप देने के लिए विभिन्न प्रकार के फूलों का उपयोग किया जाएगा। इस दौरान बड़ी संख्या में महिला श्रद्धालु धाम पर पहुंचकर पूजा-अर्चना करेंगी और भजन-कीर्तन में शामिल होंगी। हरतालिका तीज के अवसर पर महिलाओं द्वारा भगवान शिव एवं माता पार्वती की आराधना कर परिवार की सुख-समृद्धि और पति की दीर्घायु की कामना की जाएगी।

गणेशोत्सव की तैयारियों को दिया अंतिम रूप : सोमवार को होने वाले गणेशोत्सव को लेकर विठलेश सेवा समिति के पदाधिकारियों और सेवाभावी सदस्यों ने तैयारियों को अंतिम रूप दिया। समिति की ओर से पंडित विनय मिश्रा, पंडित समीर शुक्ला सहित अन्य सेवकों ने भगवान गणेश की स्थापना, पूजा-अर्चना, भोग एवं प्रसादी वितरण सहित अन्य व्यवस्थाओं का जायजा लिया। धाम परिसर में श्रद्धालुओं की सुविधा को देखते हुए आयोजन से संबंधित व्यवस्थाओं को व्यवस्थित किया जा रहा है। समिति की ओर से बताया गया कि गणेशोत्सव के दौरान भगवान गणेश की स्थापना के साथ नियमित पूजा-अर्चना और आरती की जाएगी। श्रद्धालु भगवान गणेश के दर्शन कर पूजा-अर्चना में शामिल हो सकेंगे।